as housing, health, education; fuel, clothing; and social services).

(c) Estimates of percentage and total number of population below poverty level are not available for the year 1991. However, the estimates for 1987-88 (the latest year available) are pressented in the annexure. (See Appendix, Annexure No. 34)

(d) Poverty alleviation programmes are implemented by States. State-wise targets of poverty alleviation have not been fixed for the Eighth Plan by the Planning Commission.

"कट्स इन नान प्लान एक्सपेंडीचर स्ट्रेस्ड" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

1843. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री बीरेन जे० शाह :
श्री रणजीत सिंह :

क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 21 मई 1992 के "दि इकानोमिक टाइम्स" में "कट्स इन नॉनप्लान एक्सपेंडीचर स्ट्रेस्ड" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि योजना आयोग ने केन्द्रीय और राज्य सरकारों से गैर-विकासीय व्यय को कम करने और अतिरिक्त संसाधन जुटाने का अनुरोध किया है, ताकि आठवीं पंचवर्षीय योजना की सफलता सुनिश्चित की जा सके; और

(ग) यदि हां तो केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों के लिए खर्च में कटौती करने और अतिरिक्त संसाधन जुटाने के संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) से (ग) जी हां। आठवीं योजना में गैर-योजना गैर-विकासात्मक व्यय तथा अतिरिक्त संसाधन जुटाना जिसे उनके अनुमानित योजना वित्त के अंतर्गत तैयार किया गया है; में कमी के जरिए सकल घरेलू उत्पाद के संबंध में कुल केन्द्र तथा राज्य सरकारों की गैर-बचतों के आधार वर्ष से नीचे लगभग 1.37 के बिन्दु तक चले जाने का अनुमान है।

आठवीं पंचवर्षीय योजना में रोजगार के अवसर

1844. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान देश के युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना रखती है;

(ख) यदि हां तो उक्त अवधि के दौरान कुल कितने प्रशिक्षित/अप्रशिक्षित और शिक्षित/अशिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है ; और

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत में कुल कितने प्रशिक्षित/अप्रशिक्षित और शिक्षित/अशिक्षित युवाओं के बेरोजगार बचे रहने की संभावना है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) से (ग) रोजगार आठवीं पंचवर्षीय योजना का एक महत्व दिया जाने वाला क्षेत्र है। इस योजना में आर्थिक वृद्धि को उच्च दर के साथ साथ रोजगार सृजन गति लाने के लिए उच्च रोजगार क्षमता रखने वाले क्षेत्रकों उप-क्षेत्रकों और क्षेत्रों की तीव्र वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया गया है। भौगोलिक रूप से और फसलवार

कृषि विकास में विविधता, बंजर भूमि विकास और वृक्ष लगाना, ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्रक और ग्रामीण आधारभूत संरचना का विकास, लघु और विकेन्द्रीकृत विनिर्माण की तीव्र वृद्धि और आवास सुविधाओं का विस्तार योजना में दर्शाई गई रोजगार पर आधारित विकास नीति के मूल घटक हैं। इस योजना में प्रतिवर्ष औसतन 8 से 9 मिलियन अतिरिक्त रोजगार अवसर सृजित किए जाने की संभावना है। यह अनुमान है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत में बेरोजगारी का बैकलॉग लगभग 10 मिलियन होने की संभावना है जबकि योजना के आरम्भ में यह 17 मिलियन थी। प्रशिक्षित/अप्रशिक्षित अथवा शिक्षित/अशिक्षित युवा, जिन्हें आठवीं योजना के अंत में नौकरी उपलब्ध करा दी जाएगी और जो बेरोजगार रह जाएंगे, के संबंध में अलग अनुमान नहीं लगाए गए हैं।

आठवीं योजनावधि के दौरान जनता का सहयोग

1845. **श्री विनोद शर्मा** : क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के संबंध में यह निर्णय लिया गया है कि इसके प्रथम वर्ष के दौरान देश के 150 ब्लाकों में स्थानीय जनता के सहयोग से विकास योजनाओं को कार्यान्वित किया जाएगा;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने जून, 1992 तक उन सभी 150 ब्लाकों का पता लगा लिया है जहां, इन योजनाओं को आरम्भ किया जाना है;

(ग) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य में अलग अलग ऐसे ब्लाकों की संख्या कितनी है; और

(घ) इन ब्लाकों में ये योजनाएं किस महीने से कार्यान्वित की जाएंगी?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) जी हां, आठवीं योजना के प्रथम वर्ष के दौरान लोगों तथा जन संस्थाओं की पूर्ण भागीदारी से माइक्रो स्तरीय सहभागिता आयोजना को 150 ब्लाकों में बतौर प्रयोग शुरू करने का प्रस्ताव है।

(ख) से (घ) स्कीमों को अगस्त, 1992 के मध्य तक अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है, जिसके बाद मुख्यमंत्रियों से परामर्श किया जाएगा तथा ब्लाकों की पहचान की जाएगी। इसके बाद कार्यान्वयन शुरू होगा।

गरीबी कम करने में विदेशी सहायता की विफलता

1846. **श्री राम जेठमलानी** :
श्री धीरेन जे० शाह :

क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 20 जून, 1992 के "दि इकानोमिक टाइम्स" में "फोरेन एड फेल्ड टु हैल्प इंडिया रिमूव पावर्टी, सेज स्टडी" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि वाशिंगटन स्थित काटो संस्थान ने भारत में गरीबी उन्मूलन की दिशा में पर्याप्त प्रगति न होने का आरोप लगाया है;

(ग) यदि हां, तो इस मामले में सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है;

(घ) क्या इस अध्ययन प्रतिवेदन में केन्द्रीय योजनाओं में परिवर्तन करने के सुझाव भी दिए गए हैं; और